(5)

Lecture series No:- 42.

Online Class
Date - 14/5/2020
Time - 10:00 - 10:50 A.M

Topic,

(I.) Proofs for the.

Dr. Sunita Kumari
Depart. of Philosophy.
B.A part. I (S.)
A.N.D. College Shahpur
Patory, Samastipur.

Ans:- श्रुतियों की आप्तता पर आधारित तर्क (Proof based on the Testimony of shrutis):-

ईश्वर के अस्तित्व का प्रमाण यह है कि श्रुति ईश्वर के अस्तित्व की चर्चा करते हैं, विशेषकर उपनिषदों और गीता में ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकार किया गया है।

'बृहदारण्यक उपनिषद' में कहा गया है कि 'परमात्मा ही सबों का रक्षक है, सबों का स्वामी है, सबों का शासक है, सभी प्रकार के नैवेद्यों का अधिकारी और पुरस्कारों का दाता है।'

'श्वेताश्वतर उपनिषद' में भी कहा गया है कि सभी जीवों में एक

P.T.O.

ही ईश्वर निहित है, सर्वव्यापी है,
सबों का व्यवस्थापक एवं संरक्षक है।
गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है -> मैं ही
संसार का स्रष्टा पालनकर्त्ता, संहारक हूँ।
संसार का ~~सूत्र~~ उपमा
भगवान श्री कृष्ण देते हैं और कहते
हैं। मैं ही इस संसार का सृष्टि कर्त्ता
पालन करता मैं हूँ दूसरा कोई
नहीं।

इन विभिन्न श्रुतियों से ईश्वर
के स्रष्टा, पालनकर्त्ता, संहारक तथा
विश्व का नैतिक संचालन होने का
सबूत मिलता है।

इसके अलावे
ईश्वर को नहीं मानने पर इन
विभिन्न वचनों का महत्व ही
पर्याप्त हो जाता है। इस तरह
से श्रुतियाँ ईश्वर का अस्तित्व सिद्ध
को लिए जितनी भी परंपरागत युक्तियाँ
हैं उनमें ह एक ही ईश्वर को

ठीक - ठाक प्रमाणित नहीं कर
सकी। किसी विषय को सिद्ध
करने का अर्थ है स्वीकार वाक्यों

P.T.O.

मे में अनुमान करके उसका अस्तित्व दिखलाना। तर्क से ईश्वर को सिद्धि नही हो सकती। किसी विषय के अस्तित्व को ज्ञान परोक्ष या अपरोक्ष के द्वारा हो सकता है।

Kant और Herman Lotze ने कहा है :-> ईश्वर सिद्ध के लिए

जितनी भी परम्परागत युक्तियाँ हैं। उनमें एक ही ईश्वर है। ठीक - ठीक प्रमाणित नहीं कर सकी। किसी विषय को सिद्ध करने का अर्थ है। स्वीकार वाक्यों में अनुमान करके उसका अस्तित्व दिखलाना। तर्क से ईश्वर की सिद्धि नही हो सकती।

किसी भी विषय का अस्तित्व का ज्ञान परोक्ष या अपरोक्ष के द्वारा हो सकता है। (Lotze) ने ईश्वर संबंधी ज्ञान के संबंध में ठीक ही कहा है कि ईश्वर के अस्तित्व के लिए जितनी युक्तियाँ दी जाती हैं, वे हमारे विश्वास के समर्थक के लिए

END